3. संबंध के आधार पर अनुमान तीन है- अनुमान का वर्गीकरण न्याय दर्शन में

i) केवलान्वयी → जब हेतु साध्य में व्याप्ति की स्थापना केवल भावात्मक उदाहरणों द्वारा होती है, तो उसे केवलान्वयी अनुमान कहते है।
जैसे- सभी वस्तुए जो ज्ञान का विषय होती है, नाम रखने योग्य है।
कलम ज्ञान का विषय है
इसलिए कलम नाम रखने योग्य एक वस्तु है।

ii) केवलव्यतिरेकी → जब हेतु साध्य में व्याप्ति की स्थापना अभावात्मक उदाहरणों द्वारा होती है तो उसे केवलव्यतिरेकी अनुमान कहते है।
इसे निम्नलिखित ढंग से दर्शाया गया है
जैसे -

i जो अन्य तत्वों से भिन्न नहीं है, वह गंधवान नहीं है
ii पृथ्वी गंधवान है
iii) पृथ्वी अन्य तत्वों से भिन्न है
ऐसा एक भी भावात्मक उदाहरण नहीं मिलता, जो गंधवान होते हुए भी अन्य तत्वों से भिन्न है, क्योंकि सभी गंधवान वस्तुए पृथ्वी के अन्तर्गत आ जाती है, ऐसी अनेक वस्तुए पाई जाती है, जिनमे गंध नहीं होता और जो पृथ्वी से भिन्न है

तत्व चिंतामणि रघुनाथ शिरोमणि ने किया
नव्य न्याय ग्रन्थ ... दीधिति

अतः यहाँ केवल अभावात्मक उदाहरण उपस्थित है भावात्मक नहीं।

(iii) ~~अभाव~~ अन्वय व्यतिरेकी → कभी-कभी हेतु और साध्य में व्याप्ति की स्थापना के लिए भावात्मक और अभावात्मक दोनों उदाहरणों की आवश्यकता होती है। जिस अनुमान द्वारा भावात्मक और अभावात्मक उदाहरणों की सहायता से व्याप्ति की स्थापना हेतु साध्य के बीच की जाती है उसे अन्वय-व्यतिरेकी अनुमान कहते हैं, जैसे- पर्वत पर आग है - इस साध्य को भावात्मक और अभावात्मक तरीके से प्रमाणित किया जाता है।

भावात्मक तरीका →
सभी धूआं वाली वस्तुएं आगयुक्त है
पर्वत धूँआयुक्त है।
इसलिए पर्वत आगयुक्त है।

अभावात्मक तरीका -
सभी आगविहीन वस्तुएं धुँआविहीन है
पर्वत धुआंविहीन नहीं है अर्थात् (धुआंयुक्त है)
इसलिए पर्वत पर आग है अर्थात् आगयुक्त है।

Date 16/06/18

2. उपमान

उपमान वह प्रमाण है जिसके द्वारा किसी ज्ञात वस्तु की समानता के आधार पर अज्ञात वस्तु का ज्ञान प्राप्त किया जाता है। इस प्राप्त ज्ञान को उपमिति कहते हैं। अतः उपमिति के करण/साधक को उपमान कहा जाता है।

उदाहरण - मैं नहीं जानता हूँ कि गवय कैसा जानवर होता है जब किसी जंगलवासी से मेरी मुलाकात होती है और वह बताता है की नीलगाय, गाय की तरह का एक जानवर होता है और यह जानवर जंगल में रहता है। तब मैं नीलगाय को जान पाता हूँ। जंगलवासी के कथन की प्रामाणिकता जानने के लिए, जंगल में जाकर एक जानवर को देखा जाता है, यदि गाय की तरह का कोई जानवर दिख जाता है तो मैं कहता हूँ की यह नीलगाय है, जिसके जंगलवासी ने मुझे ऐसा बताया था। इस प्रकार उपमान की प्रक्रिया में कई बातें निहित हैं इन्हें चार चरणों में रखा जाता है वे क्रम है -

अतिदेशवाक्य, सादृश्यधी, वाक्यार्थ स्मृति और उपमिति